7.	Regional Instt. of Ophthalmology	—	1
8.	State Ophthalmic Cell	—	1
9.	PMOAs Training School	—	1
10.	Eye Bank	—	5
11.	PMOAs posted	—	278

The cataract operations performed in the State during the last 5 years is as follows:

Year	No. of cataract operations performed
1992-93	1,24,896
1993-94	1,53,255
1994-95	1,87,332
1995-96	2,27,450
1996-97	2,48,681 (Prov.)

Expensive treatment of Tuberculosis

224. SHRI S.M. KRISHNA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the news item captioned "Hospital's austerity measures cost Tuberculosis patients dear" which appeared in the 'Hindustan Times' dated July 8, 1997;

(b) if so, the reaction of Government thereto;

(c) the number of TB Hospitals and the patients registered in them during the last two years, year-wise and State-wise;

(d) whether it is a fact that TB treatment is quite expensive, as per experience of the patients; and

(e) the number of beds available in Rajan Babu Tuberculosis Hospital and whether it is catering to the requirement of patients in terms of medicines; if not, the steps taken to meet the requirement?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY): (a) to (e) The information is being collected and will be laid on the Table of the House.

रोगों के प्रभावी इलाज के लिए जड़ी बूटियां और नुस्खे

225. **श्री राम जेठमलानी :** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच हैं कि देश में अनेंकों ऐसी जड़ी बूटियां और नुस्खे प्रचलित हैं जो विभाग रोगों के उपचार में प्रभावी सिद्ध होते है;

(ख) क्या यह सच है कि इन नुस्खों तथा जड़ी बूटियों का जनता द्वारा पूर्णरूपेण उपयोग नहीं किया जा रहा हैं। क्योंकि इन्हें मान्यता प्राप्त नहीं हैं;

(ग) यदि हां, तो इस संबंध में सरकार की क्या प्रतिक्रिया हैं; और

(घ) क्या सरकार इन नुस्खों और जड़ी-बूटियों को आम आदमी के लिए अधिक से अधिक उपयोगी बनाने के लिए कोई व्यवस्था कायम करने पर विचार करेगी, यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती रेणुका चौधरी) : (क) जी हां।

(ख) से (घ) भारतीय चिकित्सा प्रणालियों और होमेयोपैथी के लगभग 5 लाख चिकित्सकों/पंजीकृत चिकित्सकों द्वारा देश के ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों के अधिकांश लोगों को स्वाथ्य परिचर्या प्रदान की जा रही हैं। इन चिकित्सा प्रणालियों में आयुर्वेद, सिद्ध यूनानी, होमोयोपैथी और योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा मान्यता प्राप्त चिकित्सा प्रणालियां है। इन प्रणालियों के पंजीकृत चिकित्सक अधिकृत पुस्तकों में उल्लिखित औषधियों/ उपचार तथा एकस्व और स्वामित्त वाली औषधियों, जिनके निर्माण के लिए लाइसेंस प्राप्त किया गया हैं, का उपयोग करते हैं। सरकार ने सम्बन्धित प्रणालियों के भेषज कोशों और भेषज संहिताओं के कार्य को पूरा करने के लिए भी कार्रवाई की हैं।

National Institute for Unani Medicines

226. SHRI K. RAHMAN KHAN: Will the RP1ME MINISTER be pleased to state:

(a) whether the National Institute for Unani Medicines has been established;

(b) the reasons for which the institute is still a non-starter, even after 15 years of its establishment;